IKSV MMXVI-XVII 2

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016
हिन्दी साहित्य

समयः 3 घण्टे पूर्णांक-70 न्यूनांक 23

टीपः- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये :- **21**

(क) यहु तन जालौं मसि करूँ, ज्यूँ धूवाँ जाइ सरग्गि ।
मति वै राम दया करैं, बरसि बुझावै अग्गि ।।
बिरह भुवंगम तन बसै, मंत्र न लागै कोई ।
राम बियोगी न जिवै, जिवै तो बौरा होई ।।

अथवा

फागुन पवन झकोरा बहा । चौगुन सीउ जाइ नहिं सहा ।।
तन जस पियर पात भा मोरा । तेहि पर बिरह देइ झकझोरा ।।
तरिवर झरहिं भरहिं बन ढाखा । भइ ओनंत फूल फरि साखा ।।
करहि बनसपति हिये हुलासू । मों कहँ भा जग दून उदासू ।।

(ख) हम तो नंद घोष की बासी ।
नाम गोपाल, जाति कुल गोपहि, गोप-गोपाल-उपासी ।।
गिरिवरधारी, गोधनचारी वृन्दाबन - अभिलाषी ।।
राजा नंद जसोदा रानी, जलधि नदी जमुना सी ।।
प्रान हमारे परम मनोहर कमल नयन सुखरासी ।।
सूरदास प्रभु कहौं कहाँ लौं अष्ट महासिधि दासी ।।

अथवा

नृप सब रहहिं कृपा अभिलाषें । लोकप करहिं प्रीति रूख राखें ।।
त्रिभुवन तीनि काल जग माहीं । भूरिभाग दसरथ सम नाहीं ।।
मंगलमूल रामु सुत जासू । जो कछु कहिअ थोर सबु तासू ।।
रायँ सुभायँ मुकुरु कर लीन्हा । बदनु बिलोकि मुकुटु सम कीन्हा ।।

ग) वहै मुसक्यानि, वहै मृदु बतरानि, वहै
लड़कीली बानि आनि उर मैं अरति है ।
वहै गति लैन औ बजावनि ललित बैन
वहै हँसि दैन हियरा तें न टरति हैं ।
वहै चतुराई सों चिताई चाहिबे की छबि,
वहै छैलताई न छिनंक बिसरति हैं ।
आनँद निधान प्रान प्रीतम सुजान जू की,
सुधि सब भाँतिन सो बेसुधि करति हैं ।

अथवा

भोर ते साँझ लौ कानन-ओर निहारति, बावरी नेकु न हारति ।
साँझ ते भोर लौं तारनि ताकिबो, तारनि सों इकतार न टारति ।
जौ कहूँ भावतो दीठि परै, घनआनंद आँसुनि औसर गारति ।
मोहन-सोहन जोहन की लगियै रहै, आँखिन के उर आरति ।

2. "कबीर एक समाज सुधाकर कवि हैं ।" इस कथन की सत्यता पर प्रकाश डालिये । 12

अथवा

जायसी कृत महाकाव्य 'पद्मावत' में नागमति के वियोग को सोदाहरण समझाइये ।

3. तुलसीदास कृत रामचरित मानस के अयोध्याकाण्ड के भावपक्ष एवं कलापक्ष का वर्णन कीजिये । 12

अथवा

"घनानंद के काव्य में विरह अनुभूति की प्रधानता है ।" इस कथन की तार्किक विवेचना कीजिये ।

अथवा

सूरदास के भ्रमर गीत की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये ।

4. *किन्हीं तीन* पर टिप्पणी लिखिये:- 15

अ- विद्यापति के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिये ।
ब- रहीम के दोहों की विशेषताएँ लिखिये ।
स- रसखान के काव्य की विशेषताएँ लिखिये ।
द- भक्तिकाल की सगुण भक्तिधारा की विशेषताएँ लिखिये ।
इ- हिन्दी साहित्य के रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिये :-(*कोई दस*) 10

(i) निर्गुण भक्ति धारा की दोनों शाखाओं के नाम लिखिये ।
(ii) नल दमयंती किस महाकवि की अप्राप्य रचना है ?
(iii) मलिक मोहम्मद जायसी कृत महाकाव्य पद्मावत की भाषा का नाम बताइये ।
(iv) संत कबीर के गुरु का नाम बताइये ।
(v) विद्वानों के अनुसार सूरदास का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
(vi) बरवै रामायण किस महाकवि की रचना है ?
(vii) पद्मावत की नायिका पद्मावती के पिता का क्या नाम है ?
(viii) रीतिकालीन कवि घनानंद की प्रेयसी का क्या नाम है ?
(ix) अभिनव जयदेव के नाम से किस महाकवि को जाना जाता है ?
(x) सुजान-रसखान किस प्रसिद्ध कवि की कृति है ?
(xi) उत्तर मध्य काल को किस नाम से जाना जाता है ?
(xii) महाकवि सूरदास के गुरु का क्या नाम है ?

xx